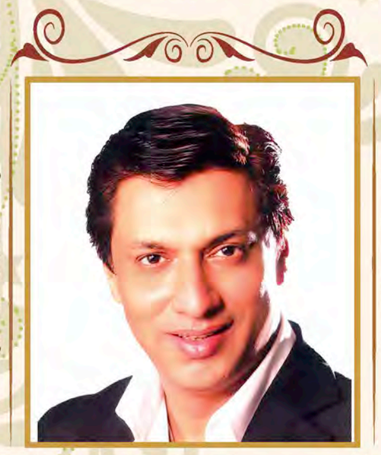

श्री मधुर आर. भंडारकर

Shri Madhur R. Bhandarkar



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री मधुर आर. भंडारकर

श्री मधुर आर. भंडारकर एक प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, निर्माता तथा पटकथा–लेखक हैं।

2. आपका जन्म महाराष्ट्र के एक मध्यवर्गीय परिवार में अगस्त 26, 1966 को हुआ था। आपका सिनेमा के प्रति आकर्षण बचपन से ही शुरू हो गया था। भले ही आप अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए परंतु आपने विभिन्न प्रकार के कार्य किए जिसमें 16 वर्ष की उम्र में एक वीडियो कैसेट लाइब्रेरी चलाना शामिल था जिसमें आप साईकिल से घर–घर जाकर कैसेटों का वितरण करते थे। इससे आपका चलचित्रों का एक बड़ा संग्रह उपलब्ध हुआ तथा आपने इसके माध्यम से चलचित्र निर्माण का अध्ययन किया।

3. आपने अपनी शैली के सिनेमा के लिए एक अद्वितीय स्थान बनाया है तथा आपको अपने देश और पूरे विश्व में एक सफल फिल्म निर्माता के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। आपकी उच्च प्रशंसा प्राप्त तथा व्यवसायिक स्तर पर सफल फिल्में यथा – चांदनी बार, सट्टा, पेज 3, कोरपोरेट, ट्रैफिक सिग्नल, फैशन, हिरोइन तथा अन्य में सामाजिक विषय प्रदर्शित किए गए हैं जिनमें अक्सर वास्तविकता के दुर्बोध पहलू दिखाए गए हैं। आपको अक्सर आधुनिक युग में महिला केन्द्रित फिल्मों का पथ–प्रदर्शक माना जाता है जिसका चलन लगभग एक दशक पहले चांदनी बार (2001) से शुरू हुआ।

4. आप हमेशा ही पुस्तकों के एक उत्सुक पाठक रहे हैं तथा आपके मित्र आपको हिन्दी सिनेमा का ज्ञान–कोश कहते हैं। आप फिल्म जगत के बीच अपनी हाजिर जवाबी तथा विनोदपूर्ण टिप्पणियों के लिए भी जाने जाते हैं। भले ही आपने स्वयं किसी शैक्षणिक संस्थान में अध्ययन नहीं किया परंतु आप भारत एवं विदेश में विभिन्न शिक्षा केन्द्रों में एक उत्साह प्रेरक वक्ता रहे हैं। आपकी फिल्में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में अनुदर्शन का भाग रही हैं।

5. आपको चांदनी बार, पेज 3, ट्रैफिक सिग्नल के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा गंगाशरन सिंह राष्ट्रपति पुरस्कार (2009) अन्य फिल्म विभूतियों के साथ जैसे श्याम बेनेगल, गिरीश कर्नाड प्राप्त हुआ है। आपको लॉयन गोल्ड पुरस्कार चार (4) बार (2005, 2006, 2007 तथा 2009) दिया गया तथा कलाकार पुरस्कार दो बार (2007 तथा 2014) प्राप्त हुआ है। आपको महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा राजकपूर स्मृति पुरस्कार (2014) तथा गोआ में 2015 को आयोजित 'वीमेन इकॉनोमिक फॉरम' द्वारा 'दशक के प्रतीक पुरूष' (आइकॉनिक मैन ऑफ डिकेड) पुरस्कार प्रदान किया गया है। आपको प्राप्त अन्य पुरस्कार में महाराष्ट्र से केसरी गौरव सम्मान (2010), फिल्म फेडरेशन आई एम पी ए ए पुरस्कार तथा एक अति प्रतिष्ठित पी.एल. देशपांडे पुरस्कार शामिल हैं, जो आपको दिए गए कई अन्य पुरस्कारों में से हैं। आपको 2016 में गुजरात आधारित राय विश्वविद्यालय द्वारा कला के क्षेत्र में मानद डाक्टर की उपाधि भी प्रदान की गई है।

6. आप को कई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों जैसे जिम्बाबवे अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (2003), काहिरो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (2009), मॉस्को फिल्म समारोह (2009), भारत फिल्म समारोह, बर्लिन (2009) तथा साइराकूस फिल्म समारोह (2013) में भी सम्मानित किया जा चुका है। आपको वर्ष 2009 में संस्कृति मंत्रालय, रूस द्वारा हाउस ऑफ कॉमन्स, युनाइटेड किंगडम में क्रिएटिव स्पिरिट तथा विजिनरी निदेशक पुरस्कार (2013–14) तथा ऑफिस ऑफ पब्लिक एडवोकेट न्यूयार्क, 2013 द्वारा सम्मानित किया गया। आपको सामाजिक मुद्दों पर संवेदनशीलता से प्रकाश डालने तथा अपनी फिल्मों में महिला चरित्रों के सशक्त चित्रांकन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए लाहौर पाकिस्तान (2016) में रफी पीर मेमोरियल पुरस्कार भी दिया गया।

Shri Madhur R. Bhandarkar

Shri Madhur R. Bhandarkar is a renowned Indian film director, producer and script-writer.

2. Born on August 26, 1966 in a middle class Maharashtrian family, Shri Bhandarkar's fascination for cinema began when he was a kid. Though he could not complete his studies, he did several odd jobs including running a video cassette library at the age of 16 where he used to do door to door delivery of cassettes on a bicycle. This gave him access to a large collection of movies and he studied film-making through it.

3. Shri Bhandarkar has carved a unique space for his genre of cinema and is recognized in our country and all over the world as a successful filmmaker. His highly acclaimed and commercially successful films like Chandni Bar, Satta, Page 3, Corporate, Traffic Signal, Fashion, Heroine and others have mirrored societal issues often showing the dark side of reality. He is often described as a torch - bearer for women -centric films in modern era, starting the trend more than a decade ago, since Chandni Bar (2001).

4. Shri Bhandarkar has always been an avid reader of books and his friends call him an encyclopedia of Hindi Cinema. He is also known for his one liners and amazing sense of humor among film fraternity. Though he himself has not attended an educational institute, he has been a motivational speaker at various education centers in India and abroad. His films have been part of retrospect at various national and international film festivals.

5. Shri Bhandarkar has been awarded National Awards for Chandani Bar, Page 3, Traffic Signal and Gangasharan Singh president award (2009) by the HRD ministry along with renowned film personalities like Shyam Benegal and Girish Karnad. He was given the Lions Gold Award four times (2005, 2006, 2007 and 2009) and Kalakaar award twice (2007 and 2014). He was also conferred Raj Kapoor Smriti Award (2014) by Maharashtra State Government and Iconic Man of the Decade by Women Economic Forum held in Goa in 2015. His other awards include Kesari Gaurav Sanman from Maharashtra (2010), Film Federation IMPAA Awards (2011) and a very prestigious P L Deshpande Award (2010) among many others that he has been felicitated with. He has also been given an Honorary Doctorate Degree in field of Arts by Gujarat based Rai University in 2016.

6. Shri Bhandarkar has also been honoured at many international film festivals like Zimbabwe International Film Festival (2003), Cairo International Film Festival (2009), Moscow Film Festival (2009), Indian film Festival, Berlin (2012) and Syracuse Film Festival (2013). He was honored by the Ministry of Culture, Russia in 2009, with Creative spirit and Visionary Director's Award at House of Commons, UK (2013 – 14) and by the office of Public Advocate, New York in 2013. He was also given the Rafi Peer Memorial Award in Lahore, Pakistan (2016) for his immense contribution in highlighting social issues in sensitive manner and for portrayal of strong female protagonists in his films.